भारत में मानव पूंजी निर्माण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» मानव पूंजी और इसका महत्व

प्रश्न 1 (आसान). अगर एक डॉक्टर खूब पढ़ाई करता है और अच्छा इलाज करना सीखता है, तो वो क्या बढ़ा रहा है?
उत्तर – अपनी मानव पूंजी।

प्रश्न 2 (आसान). एक स्वस्थ व्यक्ति बीमार व्यक्ति से ज़्यादा काम कर सकता है, यह क्या दिखाता है?
उत्तर – स्वास्थ्य भी मानव पूंजी का एक हिस्सा है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति अपने काम में नई तकनीक सीखता है, तो देश की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा?
उत्तर – उसकी उत्पादकता बढ़ेगी, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि में मदद मिलेगी।

प्रश्न 4 (कठिन). मानव पूंजी सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं है। इस बात को एक उदाहरण से समझाओ।
उत्तर – शिक्षा से व्यक्ति सिर्फ नौकरी नहीं पाता, बल्कि समाज को समझने, सही फैसले लेने और दूसरों की मदद करने लायक भी बनता है, जिससे समाज में सम्मान और बेहतर जीवन मिलता है।

» मानव पूंजी क्या है?

प्रश्न 5 (आसान). सही या गलत बताएं: सभी मानव संसाधन मानव पूंजी होते हैं।
उत्तर – गलत

प्रश्न 6 (आसान). एक स्कूल टीचर किस प्रकार की पूंजी है?
उत्तर – मानव पूंजी

प्रश्न 7 (मध्यम). एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर और एक अनपढ़ मजदूर में से कौन 'मानव पूंजी' का बेहतर उदाहरण है और क्यों?
उत्तर – एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर मानव पूंजी का बेहतर उदाहरण है क्योंकि उसके पास विशेष ज्ञान और कौशल है जिससे वह समाज के लिए अधिक उत्पादक है और दूसरों की मदद कर सकता है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक देश के लिए अपनी मानव संसाधन को मानव पूंजी में बदलना क्यों ज़रूरी है?
उत्तर – यह देश के आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के लिए ज़रूरी है। जब लोग कुशल और शिक्षित होते हैं, तो वे बेहतर काम करते हैं, नई खोजें करते हैं, जिससे देश की उत्पादकता बढ़ती है और जीवन स्तर सुधरता है।

» मानव पूंजी निर्माण के स्रोत

प्रश्न 9 (आसान). अगर सरकार सबको मुफ्त टीके लगवाए तो यह मानव पूंजी निर्माण के किस स्रोत में आएगा?
उत्तर – स्वास्थ्य पर व्यय

प्रश्न 10 (आसान). एक कंपनी अपने नए कर्मचारियों को काम सीखने के लिए वर्कशॉप में भेजती है। यह क्या है?
उत्तर – कार्य के दौरान प्रशिक्षण

प्रश्न 11 (मध्यम). अजय अपनी बचत से एक अखबार खरीदता है ताकि उसे अलग-अलग कंपनियों की नौकरियों के बारे में पता चले। यह मानव पूंजी निर्माण के किस स्रोत से जुड़ा है?
उत्तर – सूचना प्राप्त करना

प्रश्न 12 (कठिन). रचना एक छोटे शहर से बड़े शहर में जाती है ताकि उसे एक बड़े अस्पताल में डॉक्टर की नौकरी मिल सके। वहाँ उसे ज़्यादा वेतन मिलता है लेकिन घर का किराया भी ज़्यादा है। क्या प्रवसन हमेशा मानव पूंजी निर्माण का स्रोत माना जाएगा, भले ही लागत ज़्यादा हो?
उत्तर – हाँ, क्योंकि यहाँ ज़्यादा आय उसकी लागतों से ज़्यादा है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति सुधर रही है और देश को एक योग्य डॉक्टर मिल रहा है।

» भौतिक पूंजी और मानव पूंजी में अंतर

प्रश्न 13 (आसान). सही या गलत बताओ: भौतिक पूंजी को उसके मालिक से अलग किया जा सकता है।
उत्तर – सही

प्रश्न 14 (आसान). मानव पूंजी अदृश्य होती है या दृश्य?
उत्तर – अदृश्य

प्रश्न 15 (मध्यम). एक वकील की डिग्री 'मानव पूंजी' है या 'भौतिक पूंजी'? क्यों?
उत्तर – यह मानव पूंजी है, क्योंकि यह वकील के ज्ञान और कौशल से जुड़ी है, जिसे बेचा नहीं जा सकता, केवल उसकी कानूनी सेवाएँ प्रदान की जा सकती हैं।

प्रश्न 16 (कठिन). आपकी समझ में, भौतिक पूंजी और मानव पूंजी में से कौन-सी ज़्यादा गतिशील (एक जगह से दूसरी जगह आसानी से जा सकने वाली) है और क्यों?
उत्तर – भौतिक पूंजी ज़्यादा गतिशील होती है। एक मशीन या भवन को आसानी से एक देश से दूसरे देश ले जाया जा सकता है या बेचा जा सकता है। लेकिन मानव पूंजी (जैसे एक कुशल डॉक्टर) के लिए दूसरे देश जाकर काम करना इतना आसान नहीं होता, क्योंकि इसमें राष्ट्रीयता, भाषा और सांस्कृतिक बाधाएँ आती हैं।

» मानव पूंजी और आर्थिक संवृद्धि का संबंध

प्रश्न 17 (आसान). अगर किसी देश के नागरिक पढ़े-लिखे और स्वस्थ हों, तो क्या उनकी काम करने की क्षमता बढ़ती है?
उत्तर – हाँ, बिल्कुल बढ़ती है।

प्रश्न 18 (आसान). बढ़ी हुई काम करने की क्षमता से देश की राष्ट्रीय आय पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – राष्ट्रीय आय बढ़ती है।

प्रश्न 19 (मध्यम). क्या मानव पूंजी में निवेश (जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च) सिर्फ़ व्यक्ति को फायदा पहुँचाता है या पूरे समाज को?
उत्तर – यह व्यक्ति और पूरे समाज, दोनों को फायदा पहुँचाता है क्योंकि एक व्यक्ति की बेहतर उत्पादकता समाज की कुल उत्पादकता बढ़ाती है।

प्रश्न 20 (कठिन). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020) में मानव पूंजी को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण बताया गया है?
उत्तर – क्योंकि NEP 2020 का मानना है कि बदलती दुनिया में (जैसे AI, बिग डेटा) केवल कुशल और बहु-विषयक ज्ञान वाले लोग ही नई चुनौतियों का सामना कर पाएंगे और देश को ज्ञान अर्थव्यवस्था की ओर ले जा पाएंगे, जिससे आर्थिक संवृद्धि होगी।

» मानव पूंजी बनाम मानव विकास

प्रश्न 21 (आसान). एक गाँव में सरकार ने स्कूल बनवाया ताकि बच्चे पढ़-लिखकर देश के लिए अच्छा काम करें। यह किसका उदाहरण है - मानव पूंजी या मानव विकास?
उत्तर – मानव पूंजी (क्योंकि मकसद देश के लिए अच्छा काम करना, यानि उत्पादकता बढ़ाना है)

प्रश्न 22 (आसान). एक व्यक्ति ने अपनी अच्छी नौकरी छोड़ दी और अब वह गरीबों को पढ़ा रहा है, सिर्फ़ इसलिए कि उसे दूसरों की मदद करना अच्छा लगता है। यह क्या है?
उत्तर – मानव विकास (यहां मकसद कल्याण है, आर्थिक उत्पादकता नहीं)

प्रश्न 23 (मध्यम). सरकार ने सबको मुफ़्त टीके लगवाए, जिससे लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ। अब लोग बीमार कम पड़ते हैं और ज़्यादा काम कर पाते हैं। इसमें मानव पूंजी और मानव विकास, दोनों का कौन सा पहलू दिख रहा है?
उत्तर – इसमें मानव पूंजी (क्योंकि स्वस्थ होने से काम ज़्यादा कर पाए, उत्पादकता बढ़ी) और मानव विकास (क्योंकि स्वास्थ्य बेहतर हुआ, जीवन की गुणवत्ता बढ़ी) दोनों पहलू हैं।

प्रश्न 24 (कठिन). क्या ऐसा हो सकता है कि किसी काम से मानव विकास तो हो, पर तुरंत कोई मानव पूंजी निर्माण न हो? एक उदाहरण दो।
उत्तर – हाँ, बिल्कुल हो सकता है। जैसे, अगर सरकार एक पार्क बनवाती है जहाँ लोग सिर्फ़ टहलने या बैठने जाते हैं। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होता है और उन्हें ख़ुशी मिलती है (मानव विकास), लेकिन इससे सीधे-सीधे उनकी काम करने की क्षमता या उत्पादकता में तुरंत कोई वृद्धि नहीं होती (मानव पूंजी निर्माण नहीं होता)।

» शिक्षा और स्वास्थ्य में सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता

प्रश्न 25 (आसान). अगर सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य में दखल न दे तो सबसे ज्यादा नुकसान किसको होगा?
उत्तर – सबसे ज्यादा नुकसान गरीब और कमजोर वर्ग को होगा।

प्रश्न 26 (आसान). क्या प्राइवेट अस्पताल हमेशा अच्छे होते हैं?
उत्तर – प्राइवेट अस्पताल अच्छे हो सकते हैं, पर वे हमेशा सभी के लिए वहनीय (affordable) नहीं होते।

प्रश्न 27 (मध्यम). बाजार की अपूर्ण जानकारी (Imperfect Market Information) का क्या मतलब है और यह सरकारी हस्तक्षेप से कैसे जुड़ा है?
उत्तर – इसका मतलब है कि ग्राहकों को उत्पाद या सेवा की पूरी जानकारी नहीं होती। जैसे, मरीज को नहीं पता कि डॉक्टर सबसे अच्छा इलाज कर रहा है या महंगा। सरकार नियम बनाकर जानकारी की कमी को दूर करती है।

प्रश्न 28 (कठिन). शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एकाधिकार (Monopoly) की स्थिति कैसे बन सकती है, और सरकार इसे कैसे नियंत्रित करती है?
उत्तर – अगर किसी क्षेत्र में बहुत कम अच्छे स्कूल या अस्पताल हों, तो वे अपनी मनमानी फीस ले सकते हैं, जिससे एकाधिकार बन जाता है। सरकार नए संस्थान खोलकर, फीस कंट्रोल करके और गुणवत्ता के नियम बनाकर इसे नियंत्रित करती है।

» भारत में मानव पूंजी निर्माण की स्थिति और सार्वजनिक व्यय

प्रश्न 29 (आसान). भारत में मानव पूंजी निर्माण के लिए किन दो क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यय महत्वपूर्ण है?
उत्तर – शिक्षा और स्वास्थ्य।

प्रश्न 30 (आसान). शिक्षा आयोग (1964-66) ने GDP के कितने प्रतिशत को शिक्षा पर खर्च करने की सिफारिश की थी?
उत्तर – 6 प्रतिशत।

प्रश्न 31 (मध्यम). भारत में शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय को GDP के प्रतिशत के रूप में मापने का क्या महत्व है?
उत्तर – यह दर्शाता है कि देश के शैक्षिक विकास के लिए व्यक्तियों की आय का कितना भाग प्रतिबद्ध है और सरकार इसे कितनी प्राथमिकता दे रही है।

प्रश्न 32 (कठिन). अलग-अलग राज्यों में प्रति विद्यार्थी सार्वजनिक व्यय में अंतर मानव पूंजी निर्माण को कैसे प्रभावित करता है?
उत्तर – यह राज्यों के बीच शिक्षा के अवसरों और शैक्षिक उपलब्धियों के स्तर में भारी अंतर पैदा करता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में मानव पूंजी का विकास धीमा हो जाता है।

» भारत की शैक्षिक उपलब्धियां और भविष्य की संभावनाएं

प्रश्न 33 (आसान). भारत की किन दो शैक्षिक उपलब्धियों का उल्लेख किया गया है?
उत्तर – वयस्क और युवा साक्षरता दर में सुधार, और प्राथमिक शिक्षा संपूर्ति दर में वृद्धि।

प्रश्न 34 (आसान). उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत की एक मुख्य चुनौती क्या है?
उत्तर – बहुत कम लोग उच्च शिक्षा तक पहुँच पाते हैं।

प्रश्न 35 (मध्यम). लिंग समानता की दिशा में शिक्षा का क्या योगदान है?
उत्तर – शिक्षा पुरुषों और महिलाओं के बीच साक्षरता के अंतर को कम करने में मदद करती है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक स्तर में सुधार होता है।

प्रश्न 36 (कठिन). संविधान सभा ने 1950 में शिक्षा के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया था, और क्या हम उसे प्राप्त कर पाए?
उत्तर – संविधान सभा ने 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान संविधान पारित होने के 10 साल के अंदर करने का लक्ष्य रखा था। हम इसे प्राप्त नहीं कर पाए, जिससे शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य अभी भी दूर है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक गाँव में, जहाँ ज़्यादातर लोग अनपढ़ हैं, सरकार ने एक स्कूल खोला और स्वास्थ्य केंद्र भी। कुछ साल बाद गाँव में क्या बदलाव आएंगे?

› स्टेप 1: स्कूल खुलने से बच्चे पढ़ेंगे और उनके पास ज्ञान आएगा। यह ज्ञान उनकी मानव पूंजी बढ़ाएगा।

› स्टेप 2: स्वास्थ्य केंद्र से लोगों की सेहत सुधरेगी। स्वस्थ लोग ज़्यादा काम कर पाएंगे, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी।

› स्टेप 3: पढ़े-लिखे और स्वस्थ लोग नई तकनीकों को अपना पाएंगे, नए व्यापार शुरू कर पाएंगे।

› स्टेप 4: इससे गाँव की आय बढ़ेगी, बेरोजगारी कम होगी और लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा।

उत्तर – गाँव में शिक्षा और स्वास्थ्य के कारण लोगों की मानव पूंजी बढ़ेगी, जिससे आर्थिक वृद्धि होगी और सामाजिक उत्थान भी होगा।

उदाहरण 2. मानव संसाधन और मानव पूंजी में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए।

› पहले मानव संसाधन को परिभाषित करें: किसी देश की पूरी जनसंख्या, यानी सभी लोग।

› फिर मानव पूंजी को परिभाषित करें: वही लोग जब शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण के ज़रिए कुशल और उत्पादक बन जाते हैं।

› उदाहरण दें: एक नवजात शिशु एक 'मानव संसाधन' है। जब वही शिशु बड़ा होकर डॉक्टर बनता है तो वह 'मानव पूंजी' बन जाता है क्योंकि उसके पास अब विशिष्ट ज्ञान और कौशल है।

उत्तर – मानव संसाधन का अर्थ है देश की कुल जनसंख्या, जबकि मानव पूंजी वे लोग हैं जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण में निवेश के माध्यम से कौशल और ज्ञान प्राप्त किया है। उदाहरण के लिए, एक अनपढ़ व्यक्ति मानव संसाधन है, लेकिन एक प्रशिक्षित इंजीनियर मानव पूंजी है।

उदाहरण 3. एक गाँव का युवा राम, शहर जाकर एक कंप्यूटर कोर्स करता है ताकि उसे अच्छी नौकरी मिल सके। यह मानव पूंजी निर्माण के किस स्रोत का उदाहरण है?

› पहला कदम: पहचानो कि राम क्या कर रहा है। वह अपने कौशल को बढ़ा रहा है।

› दूसरा कदम: यह कौशल उसे कैसे मिल रहा है? एक कंप्यूटर कोर्स से, जो एक तरह की 'शिक्षा' या 'प्रशिक्षण' है।

› तीसरा कदम: वह यह काम कहाँ कर रहा है? 'शहर जाकर' – यानी उसने अपनी जगह बदली है, जो 'प्रवसन' है।

› चौथा कदम: ये दोनों ही चीजें उसे भविष्य में बेहतर आय और रोजगार देंगी।

› निष्कर्ष: यह 'शिक्षा पर व्यय' (कंप्यूटर कोर्स) और 'प्रवसन' दोनों का ही उदाहरण है, जो मानव पूंजी निर्माण के स्रोत हैं।

उत्तर – यह 'शिक्षा पर व्यय' और 'प्रवसन' दोनों का ही उदाहरण है।

उदाहरण 4. यह बताओ कि एक फैक्ट्री में लगी मशीन और उस मशीन को चलाने वाले इंजीनियर के कौशल में क्या अंतर हैं?

› मशीन (भौतिक पूंजी) दिखती है, उसे खरीदा-बेचा जा सकता है, और उसे इंजीनियर से अलग किया जा सकता है।

› इंजीनियर का कौशल (मानव पूंजी) अदृश्य है, उसे बेचा नहीं जा सकता (सिर्फ उसकी सेवाएँ), और उसे इंजीनियर से अलग नहीं कर सकते।

› मशीन का मालिक कोई और हो सकता है, लेकिन कौशल का मालिक हमेशा इंजीनियर खुद ही रहेगा।

› मशीन सिर्फ फैक्ट्री मालिक को फायदा देती है, जबकि इंजीनियर का कौशल समाज को भी फायदा पहुंचा सकता है (जैसे नई तकनीक सिखाना)।

उत्तर – फैक्ट्री की मशीन भौतिक पूंजी है जो दृश्य, हस्तांतरणीय और निजी लाभ वाली है, जबकि इंजीनियर का कौशल मानव पूंजी है जो अदृश्य, अहस्तांतरणीय (सेवाएँ बिकती हैं) और निजी व सामाजिक दोनों तरह के लाभ वाली है।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक गाँव में 100 लोग हैं। यदि 50% लोग अशिक्षित और अस्वस्थ हैं, और बाकी 50% शिक्षित और स्वस्थ हैं, तो गाँव की कुल आर्थिक उत्पादकता पर क्या प्रभाव पड़ेगा, और अगर सभी 100 लोग शिक्षित और स्वस्थ हो जाएं तो क्या होगा?

› पहला चरण: जब 50% लोग अशिक्षित और अस्वस्थ हैं, तो वे अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाएंगे। उनकी उत्पादकता कम होगी, जिससे गाँव की कुल आय भी कम रहेगी।

› दूसरा चरण: शिक्षित लोग बेहतर खेती, छोटे उद्योग या दूसरे काम करके ज़्यादा कमाएंगे, लेकिन अशिक्षित लोगों का भार कुल उत्पादकता को नीचे खींचेगा।

› तीसरा चरण: यदि सभी 100 लोग शिक्षित और स्वस्थ हो जाएं, तो हर कोई अपनी योग्यता और स्वास्थ्य का पूरा उपयोग कर पाएगा। वे नए-नए विचार लाएंगे, बेहतर तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और अपनी उत्पादकता कई गुना बढ़ा देंगे।

› चौथा चरण: सबकी बढ़ी हुई उत्पादकता से गाँव की कुल आय और आर्थिक संवृद्धि में ज़बरदस्त उछाल आएगा। गाँव की समृद्धि बढ़ेगी।

उत्तर – सभी 100 लोगों के शिक्षित और स्वस्थ होने से गाँव की आर्थिक उत्पादकता और संवृद्धि में अत्यधिक वृद्धि होगी, क्योंकि मानव पूंजी का पूरा उपयोग हो पाएगा।

उदाहरण 6. सोहन एक इंजीनियर है। वह विदेश चला जाता है ताकि उसे ज़्यादा वेतन मिले और वह अपनी कंपनी के लिए नई टेक्नोलॉजी डेवलप कर सके। क्या यह मानव पूंजी का उदाहरण है या मानव विकास का?

› पहले सोचो, सोहन ने विदेश जाने और नई टेक्नोलॉजी सीखने का फैसला क्यों किया?

› क्या उसका मकसद अपनी 'उत्पादकता' (यानि काम करने की क्षमता) और 'आय' (पैसे) बढ़ाना है?

› अगर हाँ, तो यह मानव पूंजी का नज़रिया है। यहाँ इंसान को एक 'साधन' (means) माना जा रहा है, जिससे आर्थिक लाभ होगा।

› अगर उसका मकसद सिर्फ़ अपना जीवन बेहतर करना, नई चीज़ें सीखना, या अपने ज्ञान से समाज को बिना किसी आर्थिक लाभ के फायदा पहुँचाना होता, तो वह मानव विकास होता।

उत्तर – यह 'मानव पूंजी' का उदाहरण है क्योंकि सोहन का उद्देश्य अपनी उत्पादकता और आय बढ़ाना है।

उदाहरण 7. एक गांव में शिक्षा का स्तर बहुत कम है और कोई अच्छा स्कूल नहीं है। गांव वाले बच्चों को शिक्षित करना चाहते हैं। इस स्थिति में सरकारी हस्तक्षेप क्यों आवश्यक है?

› पहला, निजी स्कूल खोलने वाले शायद गांव में स्कूल न खोलें क्योंकि उन्हें ज्यादा मुनाफा नहीं दिखेगा। यहाँ बाजार काम नहीं करेगा।

› दूसरा, अगर कोई निजी स्कूल खुल भी जाए, तो उसकी फीस इतनी ज्यादा हो सकती है कि गांव के गरीब बच्चे उसे अफोर्ड न कर पाएं।

› तीसरा, सरकार हस्तक्षेप करके स्कूल खोलेगी, मुफ्त या बहुत कम फीस में शिक्षा देगी, जिससे सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

› चौथा, सरकार सुनिश्चित करेगी कि पढ़ाई का स्तर अच्छा हो, सिर्फ मुनाफा कमाना मकसद न हो।

उत्तर – इस स्थिति में सरकारी हस्तक्षेप इसलिए आवश्यक है ताकि सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के अच्छी और वहनीय शिक्षा मिल सके, क्योंकि निजी बाजार हमेशा यह ज़रूरत पूरी नहीं कर पाता।

उदाहरण 8. भारत में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का कितना प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने की सिफारिश की गई है और वर्तमान में लगभग कितना खर्च होता है?

› हमें यह याद रखना होगा कि शिक्षा आयोग (1964-66) ने देश के शैक्षिक विकास के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया था।

› उस आयोग ने सिफारिश की थी कि GDP का कम से कम 6% शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए।

› वर्तमान में, आंकड़े बताते हैं कि यह प्रतिशत लगभग 4.47% (2020 तक) है।

› तो हम देख सकते हैं कि हम अभी भी लक्ष्य से काफी दूर हैं।

उत्तर – शिक्षा आयोग द्वारा GDP का 6% खर्च करने की सिफारिश की गई थी, जबकि वर्तमान में लगभग 4.47% खर्च हो रहा है।

उदाहरण 9. मान लीजिए कि किसी गाँव में 15 साल से ज़्यादा उम्र के 100 लोग हैं। 1990 में इनमें से 45 लोग साक्षर थे। 2017-18 में यह संख्या बढ़कर 75 हो गई। तो साक्षरता दर में कितना सुधार हुआ?

› 1990 में साक्षरता दर = (साक्षर लोग / कुल लोग) * 100 = (45 / 100) * 100 = 45%

› 2017-18 में साक्षरता दर = (साक्षर लोग / कुल लोग) * 100 = (75 / 100) * 100 = 75%

› सुधार = 2017-18 की दर - 1990 की दर = 75% - 45% = 30%

उत्तर – साक्षरता दर में 30% का सुधार हुआ।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'मानव पूंजी निर्माण' और 'आर्थिक विकास में महत्व' पर सीधे प्रश्न के रूप में आता है। इसके अलग-अलग घटकों (शिक्षा, स्वास्थ्य) पर भी सवाल पूछे जाते हैं, इसलिए इन्हें ध्यान से समझें।

• मानव पूंजी और मानव संसाधन के अंतर को उदाहरण सहित समझाने के लिए बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है, तो इस पर खास ध्यान देना!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि मानव पूंजी निर्माण के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए, इसलिए हर स्रोत को उदाहरण के साथ अच्छे से समझना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'भौतिक पूंजी और मानव पूंजी के बीच अंतर स्पष्ट करें' के रूप में आती है। कम से कम चार अंतरों को बिंदुवार लिखना और उनका उदाहरण देना बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'मानव पूंजी निर्माण का महत्व' या 'मानव पूंजी और आर्थिक विकास का संबंध' के रूप में पूछा जाता है। पंचवर्षीय योजनाओं और NEP 2020 का संदर्भ देना आपके उत्तर को मज़बूत बनाएगा।

• यह सवाल अक्सर परीक्षा में आता है! मानव पूंजी और मानव विकास के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। उनके 'उद्देश्य' (मकसद) और 'नज़रिया' (perspective) पर ध्यान देना।

• बोर्ड परीक्षा में, भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय के आंकड़ों (जैसे GDP का प्रतिशत) और शिक्षा आयोग की सिफारिशों को ज़रूर याद रखें। तुलनात्मक प्रश्न अक्सर आते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें से आपको 'शैक्षिक उपलब्धियों के सूचक' और 'भारत की प्रमुख शैक्षिक चुनौतियां' जैसे सीधे प्रश्न मिल सकते हैं, इसलिए इन बिंदुओं को अच्छे से समझकर जाना।

एक नज़र में रिवीज़न

› मानव पूंजी = ज्ञान + कौशल + क्षमताएं; आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार।

› मानव पूंजी = ज्ञान, कौशल, क्षमताएं (शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण से)

› शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण, प्रवसन, सूचना - मानव पूंजी के 5 स्रोत।

› भौतिक पूंजी (दृश्य, हस्तांतरणीय, निजी लाभ) बनाम मानव पूंजी (अदृश्य, अहस्तांतरणीय, सामाजिक लाभ)।

› शिक्षित, स्वस्थ मानव पूंजी सीधे आर्थिक संवृद्धि बढ़ाती है।

› मानव पूंजी: उत्पादकता हेतु; मानव विकास: मानव कल्याण हेतु, मानव स्वयं साध्य।

› भारत में मानव पूंजी निर्माण: शिक्षा व स्वास्थ्य व्यय में कमी व असमानता।

› भारत की शैक्षिक उपलब्धियां: साक्षरता में सुधार, प्राथमिक शिक्षा संपूर्ति; चुनौतियाँ: शत-प्रतिशत साक्षरता, उच्च शिक्षा में कमी।